भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. *841 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 07 फरवरी, 2025/18 माघ, 1946 (शक) को दिया जाना है

ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम

† 841. श्रीमती पूनमबेन माडम :
श्री हरीभाई पटेल :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) का ब्यौरा और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) उक्त पहल के प्रथम चरण की कुल लागत, प्रारंभ की तिथि और उक्त पहल में शामिल पत्तनों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त पहल वर्ष 2023 में शुरू किए गए समुद्री अमृत काल विज़न 2047 के अनुरूप है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा जनवरी 2021 से समुद्री क्षेत्र में हरित और अधिक टिकाऊ विकल्पों में बदलाव के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीटीटीपी हेतु कितनी धनराशि आवंटित और वितरित की गई है;

(च) आगामी पांच वर्षों में जीटीटीपी के तहत हरित और अधिक टिकाऊ विकल्पों में बदलाव के लिए पहचाने गए पारंपरिक ईंधन आधारित हार्बर टगों का ब्यौरा क्या है; और

(छ) क्या सरकार आगामी दस वर्षों में अन्य घटकों को शामिल करने के लिए उपरोक्त कार्यक्रम का विस्तार करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) का उद्देश्य भारत के हार्बर टग बेड़े का पारंपरिक डीजल-चालित जलयानों से हरित विकल्पों में परिवर्तन करना है। इसे 2024 से 2040 तक पाँच चरणों में चरणबद्ध दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। यह परिवर्तन निर्बाध होने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे पारंपरिक टग को धीरे-धीरे समाप्त किया जा सके।

(ख): दिनांक 16 अगस्त, 2024 को जीटीटीपी लॉन्च किया गया था। चार महापत्तनों, अर्थात जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण, दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण, वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण और पारादीप पत्तन प्राधिकरण को जीटीटीपी के चरण 1 में चुना गया है, जिसमें प्रत्येक पत्तन द्वारा कम से कम दो ग्रीन टग खरीदने/किराए पर लेने का लक्ष्य रखा गया है।

(ग): जीटीटीपी सीधे तौर पर समुद्री अमृत काल विजन 2047 के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य 2030 तक पत्तन के जलयानों से जीएचजी उत्सर्जन को 30% तक कम करना है। हार्बर टगों से उत्सर्जन को कम करने पर जीटीटीपी के फोकस से इस व्यापक लक्ष्य में बहुत अधिक योगदान मिलता है।

(घ): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्लू) ने महापत्तनों पर विभिन्न हरित पहलों के माध्यम से सतत विकास और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए महापत्तनों को एक रूपरेखा प्रदान करने हेतु हरित सागर ग्रीन पोर्ट दिशानिर्देश जारी किए ।

(ङ): एमओपीएसडबल्यू ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीटीटीपी के लिए कोई निधियाँ संवितरित नहीं की है, क्योंकि जीटीटीपी का उद्देश्य पत्तनों के अपने संसाधनों का उपयोग करने से है।

(च) और (छ): जीटीटीपी का लक्ष्य 2030 तक सभी महापत्तनों पर प्रचालनरत टग बेड़े (स्वामित्व वाले और किराए पर लिए गए दोनों) के कम से कम 30% को हरित और अधिक टिकाऊ वैकल्पिक ईंधन में परिवर्तित करना है। जीटीटीपी को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की परिकल्पना की गई है, जिसे 2040 तक पूरा करने की योजना है, ताकि भारत के पत्तनों में हार्बर टग बेड़े को मौजूदा डीजल ईंधन वाले टग से हरित टग में निर्बाध रूप से परिवर्तित किया जा सके। इससे कार्बन उत्सर्जन को कम करने, पेरिस समझौते का समर्थन करने और शिपिंग क्षेत्र में शुद्ध-शून्य जीएचजी उत्सर्जन प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

******